पर्यटन प्रबंधन के लचीलेपन में भारत सरकार की भूमिका

डॉ. एबिन जॉर्ज
सीएसआईआर-राष्ट्रीय वांतरिक्ष प्रयोगशालाएं
बेंगलूरु

सारांश

यह लेख पर्यटन उद्योग के लचीलेपन के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभावों की जांच करता है। वर्ष 2020 के अनुसार विश्व यात्रा और पर्यटन परिषद के आर्थिक प्रभाव ने रिपोर्ट किया कि भारत के पर्यटन क्षेत्र ने देश के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 121.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर का योगदान दिया। भारत सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन क्षेत्र में अपने उल्लेखनीय योगदान के लिए दुनिया में 10वें स्थान पर है। वर्ष 2020 में, इस क्षेत्र ने 31,785,200 लोगों को रोजगार दिया, जो कुल रोजगार का 7.3% है। इस लेख में, पर्यटन क्षेत्र में वैज्ञानिक उथल-पुथल से संबंधित लचीलापन, संकट प्रबंधन, विपणन और प्रबंधन पर चर्चा की गई है। इस लेख का उद्देश्य पर्यटन क्षेत्र में लचीलेपन के महत्व पर चर्चा करना और पर्यटन क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा अपनाई गई विभिन्न योजनाओं और उपायों का मूल्यांकन करना है।

कीवर्ड: पर्यटन, आतिथ्य, लचीलापन, संकट प्रबंधन

परिचय

भारत में पर्यटन की संभावनाएं अपार हैं। भारत सरकार ने इसे महसूस किया और पर्यटन और इसके लचीलेपन को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं बनाईं और इसे सर्वोत्तम बनाने का प्रयास कर रही है। यहां मुख्य रूप से संकट और गतिशील स्थितियों की जांच करने वाली वर्तमान सामग्रियों का विस्तार है। वर्ष 2020 में कोविड-19 ने पर्यटन क्षेत्र के सकल घरेलू उत्पाद में भारत के समग्र योगदान को कमजोर कर दिया। यह पिछले वर्ष, 2019 की तुलना में 36.3 प्रतिशत कम है। भारत सरकार ने आतिथ्य और पर्यटन क्षेत्र में सुधार करने और पर्यटन क्षेत्र में व्यक्तियों, पर्यटन संगठनों पर पडने वाले बोझ को कम करने के लिए वर्ष 2020 में कई कार्यक्रम शुरू किए, जो इस प्रकार हैं:-

- नए पर्यटक उत्पाद जैसे कारवान और कैंपिंग ट्रेलर।
- साहसिक पर्यटन के साथ-साथ शीतकालीन खेलों को बढ़ावा देने के लिए कारगिल-लद्दाख में एक वैश्विक बुनियादी ढांचे की सुविधा बनाने का एक नया प्रस्ताव।
- अखिल भारतीय पर्यटन वाहन लाइसेंस और परमिट विनियम, 2021 के आधार पर "अखिल भारतीय पर्यटन लाइसेंस / परमिट" प्राप्त करने के लिए पर्यटक वाहन ऑपरेटरों के लिए नया कार्यक्रम।
- "कोविड प्रभावित पर्यटन सेवा क्षेत्र के लिए ऋण गारंटी योजना" - (LGSCATSS).

- पर्यटन क्षेत्र के निवेशकों और पंजीकृत पर्यटक गाइडों के लिए वित्तीय सहायता।

खाद्य और पेय सेवा जो पर्यटन खंड का एक हिस्सा है, महामारी जैसी प्राकृतिक आपदाओं के लिए असुरक्षित है। निष्पादन पर अध्ययनों का सकारात्मक प्रभाव पड़ता है क्योंकि वे तैयारी, समस्या को हल करने, बाहरी कनेक्टिविटी बिल्डिंग और लचीलापन निर्माण में निर्णय लेने के मूल्य की पुष्टि करते हैं। लचीलापन एक "संकट प्रबंधन उपकरण, व्यापार स्थिरता हेतु रणनीति और सभी प्रकार के जोखिमों के लिए अनुकूलन क्षमता है"।. इसके अलावा, स्थानीय हितधारकों के बीच समन्वय और इष्टतम सहयोग की आवश्यकता है, जिसमें संकट से निपटने में आधिकारिक और प्रशासनिक क्षमता शामिल है। मनोवैज्ञानिक लचीलापन और भारी यात्रा, दौरे की चिंता भी महामारी के बाद की स्थितियों में पर्यटन वसूली में महत्वपूर्ण कारक हैं। व्यावसायिक लचीलापन एक ऐसा क्षेत्र है जो टिकाऊ विकास का समर्थन करता है और कभी-कभी बदलते समाज के लिए सामाजिक और पारिस्थितिक अनुकूलन क्षमता में नई अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। सरकार का मुख्य मुद्दा देश की लगभग मृत अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करना है। महामारी के बाद देश की अर्थव्यवस्था के प्रमुख घटकों जैसे यात्रा और पर्यटन पर विराम लग गया है।

पर्यटन लचीलापन

पर्यटन क्षेत्र में लचीलापन बदलते बाजारों और उथल-पुथल को संबोधित करने के लिए आवश्यक है। किसी भी प्रकार की आपदाओं, महामारियों, महामारियों के खिलाफ लड़ने की तैयारी का अनुमान लगाने और पूर्व-योजना बनाने से पर्यटन उद्योग मजबूत होगा और निर्बाध सेवा सुनिश्चित होगी जो आतिथ्य पेशेवरों के लिए रोजगार सुनिश्चित करेगा और विभिन्न नए पर्यटन केंद्रों द्वारा अधिक से अधिक निवेश के लिए व्यावसायिक लोगों को बढ़ावा देगा।

कोविड-19 के बाद पर्यटन क्षेत्र की लचीलापन क्षमता, चार प्राथमिक कारकों द्वारा निर्धारित की जाएगी जैसे “सरकार की प्रतिक्रिया, तकनीकी नवाचार, स्थानीय संबंधित, और उपभोक्ता और कर्मचारी विश्वास"। लंबे समय में, पर्यटक वसूली का आश्वासन देते हुए सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए प्रौद्योगिकी और नवाचार जैसे अन्य कारकों पर विचार करने की आवश्यकता होती है। रोबोटिक्स और स्वचालन प्रौद्योगिकी का उपयोग करके, वे रोजगार और सुविधा से संबंधित खर्चों को कम करेंगे।

तालिका नंबर 1. पर्यटन क्षेत्र में लचीलेपन का फ्रेम वर्क

कोविड-19 महामारी के कारण अंतर्राष्ट्रीय विमान सेवाओं को बंद करने के लिए भारत सरकार मजबूर हुई और इसके वजह से भारत आने वाले पर्यटकों की संख्या में काफी कमी आई। इस प्रकार के संकटों से बचने हेतु पर्यटन एवं आतिथ्य सेवाओं में रोबोटों की सेवाओं का लाभा उठा सकते हैं। तथापि, इससे किसी भी राज्य के रोज़गार क्षेत्र पर काफी नुकसान होगा। स्वास्थ्य एवं आतिथ्य उद्योगों में रोबोटों की सेवाओं के विपणन में वर्ष 2020-2024 के दौरान 942 मिलियन यूएसडी तक वृद्धि करने का अनुमान है।

आतिथ्य सेवाओं का उपयोग करने और प्रस्तुत करने के लिए किसी के जीवन और आत्मविश्वास पर लचीलापन सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए अभिनव विचार पर्यटन उद्योग को जीवंत बनाते हैं। अनुसंधान एजेंडा को संबोधित करते समय, भविष्य के अनुसंधान की तैयारी में या अनुसंधान के शुरुआती चरणों में जानकारी और ज्ञान प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। कोविड-19 महामारी के कारण पर्यटन काफी प्रभावित हुआ है और भारत में महामारी से पहले और उसके दौरान भारत की यात्रा करने वाले विदेशियों की रिपोर्ट तालिकाओं में नीचे सूचीबद्ध है।

तालिका-2. 2016-2018 से भारत का दौरा करने वाले विदेशियों का विवरण

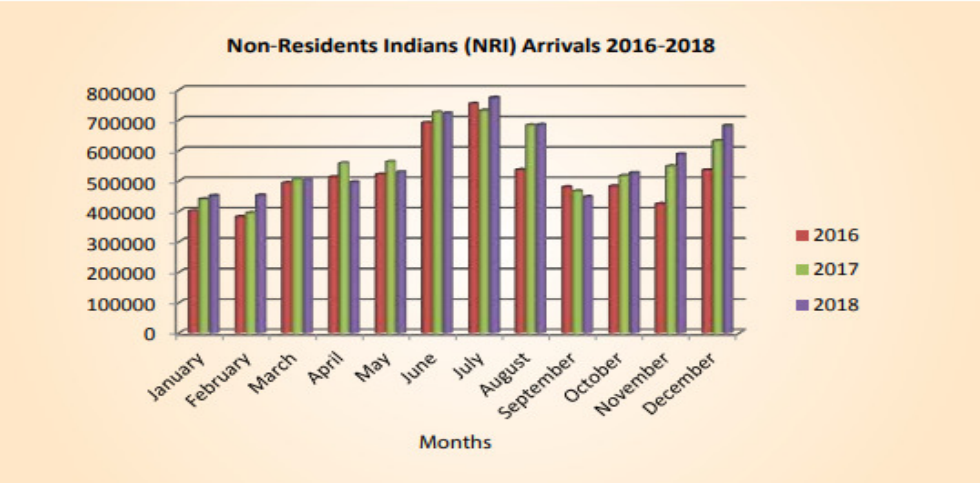

Source:

https://tourism.gov.in/sites/default/files/202004/India%20Tourism%20Statistics%202019.pdf

तालिका-3. 2021 में भारत की यात्रा पर आए विदेशियों का विवरण

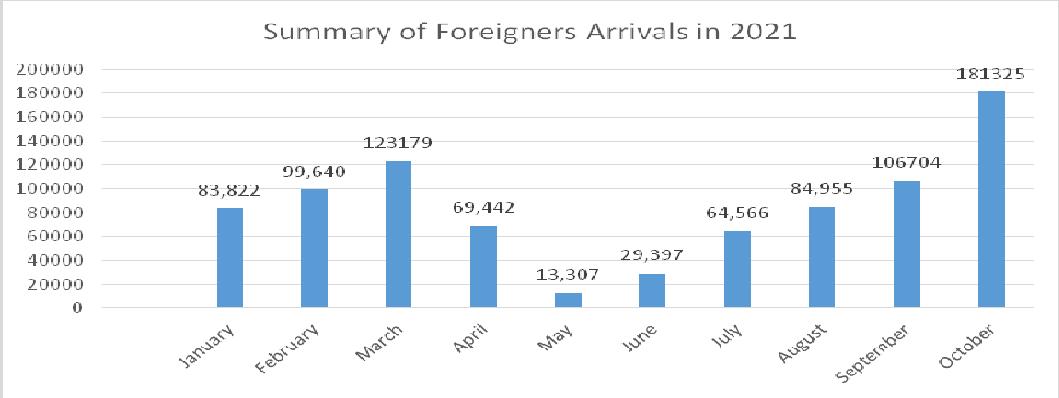

निष्कर्ष

इस लेख में पर्यटन से संबंधित विभिन्न मुद्दों का पता चलता है जैसे लचीलापन, चुनौतियां और संभावनाएं, स्थिरता समाधान और विकास योजना आदि। आतिथ्य उद्योग में रुचि रखने वाले विद्वानों, छात्रों और चिकित्सकों को यह उपयोगी लगेगा। यह लेख आर्थिक विकास और विकास के साथ-साथ एक स्थायी अर्थव्यवस्था और प्राकृतिक पूंजी के लिए भारत में पर्यटन क्षेत्र के लचीलेपन की प्रासंगिकता को दर्शाता है।

यात्रा और पर्यटन व्यवसाय भारतीय अर्थव्यवस्था में योगदान देनेवाला एक प्रमुख घटक है और सरकार कोविड से संबंधित समस्याओं को नेविगेट करने में उद्योग की सहायता से आक्रामक कदम उठा रही है। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ने ऐसे कदम उठाए हैं जिससे शेयरधारकों को इस क्षेत्र में काफी लाभ प्राप्त होने की संभावना

है। इन उपायों का उद्देश्य निकट भविष्य में व्यवसायों का समर्थन करने के लिए आवश्यक संपत्ति प्रदान करना है। प्रचार योजनाएं अनुमोदित पर्यटक गाइडों का समर्थन करती हैं, जिन्होंने महामारी के दौरान पर्यटन उद्योग में चल रही मंदी का सामना किया है और जिनसे इस क्षेत्र को 2028 तक 12.68 ट्रिलियन रुपये के सकल घरेलू उत्पाद योगदान को प्राप्त करने में मदद मिली है।

संदर्भ

1. [1]. Jang, S., & Kim, J. (2022). Remedying Airbnb COVID-19 disruption through tourism clusters and community resilience. *Journal of Business Research*, *139*. https://doi.org/10.1016/j.jbusres.2021.10.015
2. [2]. Sobaih, A. E. E., Elshaer, I., Hasanein, A. M., & Abdelaziz, A. S. (2021). Responses to COVID-19: The role of performance in the relationship between small hospitality enterprises' resilience and sustainable tourism development. *International Journal of Hospitality Management*, *94*. https://doi.org/10.1016/j.ijhm.2020.102824
3. [3]. Pham, L. D. Q., Coles, T., Ritchie, B. W., & Wang, J. (2021). Building business resilience to external shocks: Conceptualising the role of social networks to small tourism & hospitality businesses. *Journal of Hospitality and Tourism Management*, *48*. https://doi.org/10.1016/j.jhtm.2021.06.012
4. [4]. Koens, K., Melissen, F., Mayer, I., & Aall, C. (2021). The Smart City Hospitality Framework: Creating a foundation for collaborative reflections on overtourism that support destination design. *Journal of Destination Marketing and Management*, *19*. https://doi.org/10.1016/j.jdmm.2019.100376
5. [5]. Carty, K. S. (2021). Towards a proactive, capabilities-based continuity framework for the hospitality and tourism industry. *Worldwide Hospitality and Tourism Themes*, *13*(3). https://doi.org/10.1108/WHATT-01-2021-0020
6. [6]. Altshuler, A., & Schmidt, J. (2021). Why does resilience matter? Global implications for the tourism industry in the context of COVID-19. *Worldwide Hospitality and Tourism Themes*, *13*(3). https://doi.org/10.1108/WHATT-01-2021-0015